राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

RNI/NO.UPHIN/25/A0349

सार सागर

email- dainiksarsagar@gmail.com

कानपुर से प्रकाशित

2, अंकः 07 बुधवार, 3 जून 2026 मूल्य : 3 रूपये

खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभः मिट्टी,खेती और किसान के भविष्य को सुरक्षित करने की पहल

दैनिक सार सागर जिला संवाददाता राजप्रताप सिंह

कानपुर देहात।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर श्री शुभम् बाजपेई, विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर श्री शुभम् बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य सही होगा। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। इसके लिए खेत की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है उसके बाद संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना होगा इसके लिए गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। खेत का स्वास्थ्य ठीक करने के लिए फसलचक्र अपनाना एवं खेत के अनुकूल फसलों का चयन आवश्यक है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, और हम दिन प्रतिदिन बीमारियों से घिरते जाएंगे। इसीलिए हमको खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। इसलिए पशुपालन करना बहुत जरूरी है ताकि गोमूत्र और गोबर के द्वारा हमारे खेतों का स्वास्थ्य सुधार जा सके। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा श्री विनोद शुक्ला एवं ध्यानु सिंह उपस्थित रहे।इस अवसर पर विकासखंड मैथा के गांव फंदा, बखरिया,औरंगाबाद, पाण्डेय निवादा के रामआसरे राजपूत, चरनसिंह, श्याम सुंदर, श्रीमती सीमा और संतोष कुमारी के साथ साथ 50 से अधिक पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित रही।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कानपुर, बुधवार
3 जून, 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष 3
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 281 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

स्वतंत्र भारत

epaper : epaper.swatantrabharat.net

खेतों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी

-खेत बचाओ अभियान का हुआ शुभारंभ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम बाजपेई, विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शुभम बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है, जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य सही होगा। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। इसके लिए खेत की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है उसके बाद संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना होगा, इसके लिए गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। खेत का स्वास्थ्य ठीक करने के लिए फसलचक्र अपनाना एवं खेत के अनुकूल फसलों का चयन आवश्यक है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है, जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा और हम दिन प्रतिदिन बीमारियों से घिरते जाएंगे। इसीलिए हमको खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर राजेश राय, डॉक्टर दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी।

पहल टुडे 03/06/2026

खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभः मिट्टी,खेती और किसान के भविष्य को सुरक्षित करने की पहल

पहल टुडे, हरिकृष्ण कश्यप

कानपुर देहात । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम् बाजपेई,विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम् बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य सही होगा। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। इसके लिए खेत की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है उसके बाद संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना होगा इसके लिए गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। खेत का स्वास्थ्य ठीक करने के लिए फसलचक्र अपनाना एवं खेत के अनुकूल फसलों का चयन आवश्यक है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, और हम दिन प्रतिदिन बीमारियों से घिरते जाएंगे। इसीलिए हमको खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। इसलिए पशुपालन करना बहुत जरूरी है ताकि गोमूत्र और गोबर के द्वारा हमारे खेतों का स्वास्थ्य सुधार जा सके। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा विनोद शुक्ला एवं ध्यानु सिंह उपस्थित रहे।इस अवसर पर विकासखंड मैथा के गांव फंदा, बखरिया,औरंगाबाद, पाण्डेय निवादा के रामआसरे राजपूत, चरनसिंह, श्याम सुंदर, श्रीमती सीमा और संतोष कुमारी के साथ साथ 50 से अधिक पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित रही।

हिन्दी दैनिक लखनऊ व कानपुर से प्रकाशित

भारत कनेक्ट

लखनऊ, बुधवार, 03 जून 2026

वर्ष : 12

अंक : 216

पृष्ठ : 12

मूल्य: 3

bharat.connect100@gmail.com /livebcnews www.bharatconnect.in

खेत बचाओ अभियान 2026 का हुआ शुभारंभ

भारत कनेक्ट संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम बाजपेई, विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि ओशुभम बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य सही होगा। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। इसके लिए खेत की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है उसके बाद संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना होगा इसके लिए गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। खेत का स्वास्थ्य ठीक करने के लिए फसलचक्र अपनाना एवं खेत के अनुकूल फसलों का चयन आवश्यक है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, और हम दिन प्रतिदिन बीमारियों से घिरते जाएंगे। इसीलिए हमको खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा विनोद शुक्ला एवं ध्यानु सिंह उपस्थित रहे।इस अवसर पर विकासखंड मैथा के गांव फंदा, बखरिया,औरंगाबाद, पाण्डेय निवादा के श्री रामआसरे राजपूत, चरनसिंह, श्याम सुंदर, श्रीमती सीमा और संतोष कुमारी के साथ साथ 50 से अधिक पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित रही।

Times Of India 03/06/2026

'Khet Bachao Abhiyan' launched

Kanpur: The 'Khet' Bachao Abhiyan 2026 was launched at Krishi Vigyan Kendra Dalip Nagar, operating under Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology Kanpur on Tuesday. b

Addressing the programme as chief guest, block head Shivrajpur Shubham Bajpei stated that the health of our fields is deteriorating day by day. To improve field health, it is necessary to know the level of nutrients present in the soil, for which soil testing is essential, followed by the use of nutrients in balanced quantities. For this, he emphasized the use of cow dung manure, vermi compost, compost, natural farming, and green manure. He stressed the adoption of crop rotation and selection of crops suitable to the field. TNN

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 17 अंक : 327 कानपुर, बुधवार 03 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

अधिभार तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए।

निदेशक प्रसार एवं कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ

मिट्टी,खेती और किसान के भविष्य को सुरक्षित करने की पहल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम् बाजपेई और विवि के निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम् बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा। खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा विनोद शुक्ला एवं ध्यानु सिंह उपस्थित रहे।

मिट्टी की जांच जरूरी, फसलचक्र अपनायें किसान भाई

❑ मिट्टी, खेती और किसान के भविष्य को सुरक्षित करने की पहल

खेत बचाओ अभियान 2026 का हुआ शुभारंभ, किसानों को दी गई जानकारियां

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 2 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है। बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। इसलिए पशुपालन करना बहुत जरूरी है ताकि गोमूत्र और गोबर के द्वारा हमारे खेतों का स्वास्थ्य सुधार जा सके। सीएसए, निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, और हम दिन प्रतिदिन बीमारियों से घिरते जाएंगे। इसीलिए हमको खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। इसके लिए खेत की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है उसके बाद संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना होगा इसके लिए गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। खेत का स्वास्थ्य ठीक करने के लिए फसलचक्र अपनाना एवं खेत के अनुकूल फसलों का चयन आवश्यक है। खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ करते हुए ब्लाक प्रमुख शिवराजपुर शुभम बाजपेयी ने काहकि आज खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य सही होगा। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डा. शशिकांत, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. खलील खान, डॉ. राजेश राय, डॉ. दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉ. निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी। इस दौरान विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा विनोद शुक्ला,ध्यानु सिंह, विकासखंड मैथा के गांव फंदा, बखरिया,औरंगाबाद, पाण्डेय निवादा के रामआसरे राजपूत, चरनसिंह, श्याम सुंदर, श्रीमती सीमा और संतोष कुमारी के साथ साथ 50 से अधिक किसान मौजूद रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि व अन्य।

R.N.i.NO.
UPHIN/2008/
29355
डाक पंजीकन
संख्या KANPUR
Cty 328/2012

दैनिक
वक्त दर्शन

कानपुर से प्रकाशित, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र एवं दिल्ली, मुम्बई, तेलंग

वर्ष: 18 | अंक : 125 | कानपुर, बुधवार 3 जून 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य एक

खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ

मिट्टी ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर

कुंवर आशीष भदोरिया
एडवोकेट

कानपुर नगर वक्त दर्शन, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शशुभम् बाजपेई,विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि शुभम् बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य सही होगा। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। इसके लिए खेत की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है उसके बाद संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना होगा इसके लिए गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। खेत का स्वास्थ्य ठीक करने के लिए फसलचक्र अपनाना एवं खेत के अनुकूल फसलों का चयन आवश्यक है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, और हम दिन प्रतिदिन बीमारियों से घिरते जाएंगे। इसीलिए हमको खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा विनोद शुक्ला एवं ध्यानु सिंह उपस्थित रहे ।इस अवसर पर विकासखंड मैथा के गांव फंदा, बखरिया,औरंगाबाद, पाण्डेय निवादा के श्री रामआसरे राजपूत, चरनसिंह, श्याम सुंदर, श्रीमती सीमा और संतोष कुमारी के साथ साथ 50 से अधिक पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित रही।

अमर भारती
एक उम्मीद
04 प्रदेश, 06 संस्करण

निदेशक प्रसार और कृषि वैज्ञानिकों ने किया खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम् बाजपेई और विवि के निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम् बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा। खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है।

किसानों को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा विनोद शुक्ला एवं ध्यानु सिंह उपस्थित रहे।इस अवसर पर विकासखंड मैथा के गांव फंदा, बखरिया,औरंगाबाद, पाण्डेय निवादा के रामआसरे राजपूत, चरनसिंह, श्याम सुंदर, सीमा और संतोष कुमारी के साथ साथ 50 से अधिक पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित रही।

लोक जनसंदेश

वर्ष: 12 अंक: 03 पृष्ठ: 08 कानपुर महानगर, बुधवार, 03 जून 2026 मूल्य : रु 2.00

खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ मिट्टी

संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शशुभम् बाजपेई,विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि शुभम् बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य सही होगा। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। इसके लिए खेत की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है

उसके बाद संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना होगा इसके लिए गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। खेत का स्वास्थ्य ठीक करने के लिए फसलचक्र अपनाना एवं खेत के अनुकूल फसलों का चयन आवश्यक है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, और हम दिन प्रतिदिन बीमारियों से घिरते जाएंगे। इसीलिए हमको खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा विनोद शुक्ला एवं ध्यानु सिंह उपस्थित रहे।इस अवसर पर विकासखंड मैथा के गांव फंदा, बखरिया,औरंगाबाद, पाण्डेय निवादा के श्री रामआसरे राजपूत, चरनसिंह, श्याम सुंदर, श्रीमती सीमा और संतोष कुमारी के साथ साथ 50 से अधिक पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित रही।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक लखनऊ, कानपुर नगर, गोरखपुर, प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित R.N.I.No.UPHIN/2021/84863

भोलेनाथ टाइम्स

वर्ष : 05 अंक : 159
कानपुर नगर, बुधवार,
03 जून 2026
मूल्य : 2 रुपया
पृष्ठ : 06

Email: bholenaththtimes@gmail.com

कानपुर नगर से प्रकाशित

भक्तों पर

खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ

कानपुर नगर(बीएनटी संवाददाता)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शशुभम् बाजपेई, विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डा. वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि शुभम् बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य सही होगा। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। इसके लिए खेत की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है उसके बाद संतुलित मात्रा में

पोषक तत्वों का प्रयोग करना होगा इसके लिए गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। खेत का स्वास्थ्य ठीक करने के लिए फसलचक्र अपनाना एवं खेत के अनुकूल फसलों का चयन आवश्यक है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डा. वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, और हम दिन प्रतिदिन बीमारियों से घिरते जाएंगे। इसीलिए हमको खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डा. शशिकांत, डा. अरुण कुमार सिंह, डा. खलील खान, डा. राजेश राय, डा. दीपक कुमार मिश्रा एवं डा. निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा विनोद शुक्ला एवं ध्यानु सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विकासखंड मैथा के गांव फंदा, बखरिया, औरंगाबाद, पाण्डेय निवादा के श्री रामआसरे राजपूत, चरनसिंह, श्याम सुंदर, श्रीमती सीमा और संतोष कुमारी के साथ साथ 50 से अधिक पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित रही।

मानसून से पहले कुरसौली का नाला बना खतरा

कानपुर नगर(बीएनटी संवाददाता)। कल्याणपुर ब्लॉक के कुरसौली गांव में मुख्य नाले की सफाई न होने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। करीब चार फीट चौड़ा और चार फीट गहरा यह नाला पूरी तरह चोक हो चुका है। सड़क किनारे खुला पड़ा नाला गंदगी से भरा है और राहगीरों के लिए भी परेशानी का कारण बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि मानसून का मौसम शुरू होने वाला है। ऐसे में यदि समय रहते नाले की सफाई नहीं कराई गई तो बरसात का पानी गांव और आसपास के इलाकों में भर सकता है। जलभराव होने से मच्छरों और संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ जाएगी। कुरसौली गांव का नाम वर्ष 2022 में उस समय चर्चा में आया था, जब गंदगी और संक्रमण के चलते फैली बीमारी की चपेट में आकर 16 लोगों की मौत हो गई थी।

03/06/2026

एक नजर में

मिट्टी के स्वास्थ्य संरक्षण की दी जानकारी

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, दलीपनगर में 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित पोषण प्रबंधन और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की जानकारी दी। मुख्य अतिथि शिवराजपुर ब्लाक प्रमुख शुभम वाजपेई ने किसानों से नियमित मिट्टी परीक्षण कराने, आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करने को कहा। वि.

पी

सीएस

जागरण संव
शाहू जी
(सीएसजेए
2026-27
प्रक्रिया शु
विश्वविद्याल
महाविद्याल
880 शोध
इनमें 23
परिसर अं
महाविद्याल
गई हैं।

रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र | एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजि

03 : 06 : 2026 | वर्ष 20 अंक 142 | RNI-No. UP

2026

उत्तर प्रदेश

खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ: मिट्टी,खेती और किसान के भविष्य को सुरक्षित करने की पहल

रहस्य संदेश | अनवर अशरफ़

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर श्री शुभम् बाजपेई,विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा खेत बचाओ अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर श्री शुभम् बाजपेई ने बताया कि आज हमारे खेत का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन खराब हो रहा है जिसके कारण मानव स्वास्थ्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों का स्वास्थ्य भी खतरे में है। खेत का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी हमारा स्वास्थ्य सही होगा। खेत का स्वास्थ्य सुधारने के लिए हमको खेत में उपस्थित पोषक तत्वों का स्तर जानना होगा। इसके लिए खेत की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है उसके बाद संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करना होगा इसके लिए गोबर की खाद, वर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट, प्राकृतिक खेती, हरी खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए। खेत का स्वास्थ्य ठीक करने के लिए फसलचक्र अपनाना एवं खेत के अनुकूल फसलों का चयन आवश्यक है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ही हमारा स्वास्थ्य टिका हुआ है जब तक हम शुद्ध भोजन नहीं करेंगे तब तक हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, और हम दिन प्रतिदिन बीमारियों से घिरते जाएंगे। इसीलिए हमको खेत के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजक रहना जरूरी है। केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि खेत और पशुपालन दोनों एक दूसरे के पूरक है बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है खेती के बिना पशुपालन अधूरा है। इसलिए पशुपालन करना बहुत जरूरी है ताकि गोमूत्र और गोबर के द्वारा हमारे खेतों का स्वास्थ्य सुधार जा सके। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर दीपक कुमार मिश्रा एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंडल महामंत्री भाजपा श्री विनोद शुक्ला एवं ध्यानु सिंह उपस्थित रहे।इस अवसर पर विकासखंड मैथा के गांव फंदा, बखरिया,औरंगाबाद, पाण्डेय निवादा के श्री रामआसरे राजपूत, चरनसिंह, श्याम सुंदर, श्रीमती सीमा और संतोष कुमारी के साथ साथ 50 से अधिक पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित रही।

लोक

रहस्य

एटा, उत्त
लखनऊ
सोनसा
दिवसीय
उत्साहपूर्
उद्देश्य ग्रा
लोक संस
तथा उन
समापन स
द्वारा फी
सरस्वती
कार्यक्रम
ग्राम प्रधा
पाल, वरि
प्रशिक्षिक
एवं सम्मा
सम्मानित
अपनी प्र
प्रस्तुत कि
की। इसके
देह पर
आकर्षक
प्रस्तुति ने
तालियों
संबोधित
कि लोक